(1) Lecture Series No! —

Online class
Date — .../.../2022,
Day — ...
Time — 10:40 to 11:50 AM

Topic.

(1) Berkeley.

Dr. Sunita Kumari
Depart. of Philosophy,
B.A Part. — I
paper — II (H)
A.N.D. College Shahpur
Patory, Samastipur,

Ans:-> Berkely. के अनुसार जगत में केवल दो ही प्रकार की सतायें है। एक तो द्रव्य आत्मा और दूसरे प्रत्यय जो कि आत्मा द्वारा प्रत्यक्ष किये जाते है। इनके अतिरिक्त जगत में अन्य कुछ नही है। Locke ने पदार्थ को प्राथमिक और गौण गुण में अन्तर किया और गौण गुणों को मन पर निर्भर मानकर प्राथमिक गुणों को मन के बाहर किसी बाह्य आधार में बतलाया। इस बाह्य आधार को ही वह जड़ पदार्थ कहता है। जब हम किसी भौतिक वस्तु को देखते हैं तो इस प्रक्रिया में एक और हमारे

P.T.O.

विभिन्न गुणों की संवेदनायें आगमगत है। दूसरी ओर उसके अस्तित्व की प्रतीति जब हमें संवेदनाओं का मन के बाहर से आनेवाली संवेदनाओं का मनके बाहर कोई न कोई आधार आवश्यक होना चाहिए।

इस तरह तर्क के-आधार पर Locke जड़ तत्व की स्थापना करता है। Locke द्वारा स्थापित जड़ तत्व की धारणा का खण्डन करने के लिए Berkeley यह दिखलाता है कि जिन तर्कों के आधार पर Locke ने कुछ गुणों को गौण गुण सिद्ध किया है उन्हीं तर्कों के आधार पर तथाकथित प्राथमिक गुणों को भी आगमगत तत्व

END"